COURSE CODE:HND101	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी साहित्य का इतिहास**	
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
2. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन, आधुनिक कालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों की विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. जैन, सिद्ध, नाथ, अपभ्रंश साहित्य के विकास के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों, प्रभावों, उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत कराना।
4. युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।
5. छात्र/छात्राओं प्रारम्भिक को प्रारम्भिक ज्ञान होना बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए हिंदी रचना के आदिकाल से आधुनिककाल तक के सम्पूर्ण रचनाकारों की रचनाएँ तथा उनके विषय में ज्ञान होना बहुत महत्वपूर्ण है।
6. आधुनिककालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों, प्रमुख गद्यकारों की विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
7. आधुनिक हिंदी कविता के विकास के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों, प्रभावों, उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत कराना।
8. हिंदी गद्य के आविर्भाव के प्रधान कारणों, परिस्थितियों का परिचय देना।
9. युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

UNIT-1 18Hours	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य परंपरा एवं रासो ग्रंथों की प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
UNIT-2 18Hours	भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, प्रमुख निर्गुण संत,निर्गुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख सगुण भक्त कवि, सगुण कवियों की प्रमुख रचनाएँ, सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ, सगुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ। भारत में सूफी मत का उदय और विकास, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।
UNIT-3 18Hours	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीतिकालीन कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा और रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

UNIT-4 18Hours	1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेंदु और उनका मंडल, 19 वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेंदुकालीन साहित्य की विशेषताएँ। महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा। हिंदी में गद्य विधाओं का उदय, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध एवं आलोचना का विकास, प्रेमचंद, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह का महत्व।
UNIT-5 18Hours	छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि। प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य,प्रयोगवाद और नई कविता। स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास, नई कविता, नई कहानी, कहानी आंदोलन।समकालीन साहित्य।आधुनिक उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
अनुशंसित ग्रंथ :	1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल 2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक डॉ. नगेन्द्र 3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह 5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंद राम शर्मा 6. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह 7. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा 9. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह 10. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ – डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया 11. हिंदी साहित्य का इतिहास : नये विचार नई दिशाएँ – डॉ. सुरेश कुमार जैन 12. संत साहित्य की समझ – डॉ नन्द किशोर पाण्डेय 13. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी 14. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ. मैनेजर पाण्डेय 15. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समीक्षा– डॉ. **राजकुमार उपाध्याय 'मणि'** 16. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 17. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी 18. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय 19. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह 20. आधुनिक हिंदी साहित्य : विविध आयाम – डॉ. रामचंद्र तिवारी 21. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी 22. हिन्दी आलोचना का इतिहास – डॉ. रामदरश मिश्र 23. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

COURSE CODE:HND201	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

हिंदी का आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।
3. पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18Hours	पृथ्वीराज रासो : चंदवरदायी (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) शशिव्रता विवाह आरंभ से 20 छंद पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) प्रारंभ से 10 पद
UNIT-2 18Hours	कबीर ग्रंथावली (सं.श्यामसुंदरदास)10 पद– 2,3,11,18,24,39,40,41,44,51, साखी
UNIT-3 18 Hours	पद्मावत : जायसी (संम – रामचन्द्र शुक्ल नागमती वियोग वर्णन)
UNIT-4 18 Hours	भ्रमरगीतसार : सूरदास (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद स.– 7,8,23,25,34,38,41,42,52
UNIT-5 18 Hours	रामचरितमानस : तुलसीदास(गीताप्रेस संस्करण)बालकांड(आदि से 20 दोहे तक) अयोध्याकांड (272 से 292 दोहे तक

अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन – डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 6. तुलसी का काव्य सौंदर्य – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 7. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 8. गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल 9. तुलसी काव्य दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह 10. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भागीरथ मिश्र 11. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प – डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित 12. विनयपत्रिका : एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 13. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सराफ 14. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल 15. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र 16. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 17. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर' 18. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति – रामशरण शर्मा 19. संत साहित्य की समझ– नंद किशोर पांडेय 20. कबीर कवि साधक और समाजसुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HND103	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90 PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY: PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।**
2. **साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।**
3. **भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।**
4. **भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।**
5. **भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।**
6. **विकास के संबंध में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना।**
7. **हिंदी के शब्द भेदों के विकासक्रम का विवरण देना।**
8. **हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।**

UNIT-1 18 Hours	भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (समाज भाषाविज्ञान, शैली विज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय)।
UNIT-218	स्वनिम विज्ञान – परिभाषा, स्वन, संस्वन और स्वनिम, स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम के भेद एवं स्वनिम वितरण के सिद्धांत।
UNIT-3 18 Hours	रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम रूपिमा का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन – कारण एवं दिशाएँ।
UNIT-4 18Hours	अर्थ विज्ञान – शब्दार्थ संबंध, विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
UNIT-5 18 Hours	हिंदी भाषा का विकास, अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ और साहित्यिक विकास। राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी। देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएँ। हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण।

अनुशंसित ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान – डॉ भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : सैद्धांतिक विवेचन – डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ त्रिलोचन पाण्डेय
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ रामेश्वर प्रसाद
7. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी
8. आर्यभाषा परिवार – रामविलास शर्मा
9. भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी – सुनीति कुमार चटर्जी
10. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
11. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदय नारायण तिवारी
12. संपर्क भाषा हिंदी – संपादन सुरेश कुमार/ठाकुरदास
13. समकालीन हिंदी में रूपस्वामिनिकी – सुधाकर सिंह
14. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
15. कोश विज्ञान : प्रविधि एवं प्रणाली – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल

COURSE CODE: HNDA02		**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **संत कवि कबीरदास**		
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।**
2. **हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 18 Hours	गुरुदेव कौ अंग : 3, 6, 12, 14, 15, 16, 21, 26, 33, 34, = 10 (कवीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास)
UNIT-2 18 Hours	विरह कौ अंग : 4, 5, 21, 22, 45, = 05
UNIT-3 18 Hours	काल कौ अंग : 1, 13, 14, 15, 20, = 05
UNIT-4 18 Hours	विद्या कौ अंग : 2, 3, 6, 8, 10, = 05
UNIT-5 18 Hours	सूरा तन कौ अंग 3, 6, 8, 9, 11 = 05
अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन – डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. संत साहित्य की समझ – नन्द किशोर पाण्डेय 6. कवीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास 7. कबीर : कवि साधक और समाज सुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HNDA03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **भक्तकवि सूरदास**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**

MARKS: THEORY: 70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को कवि सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
2. हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18Hours	सूरसागर (प्रारंभिक पद) पद संख्या – 1,3,6,8,10,12,14,18,19,21,22,25,28,30,32,34,35,36,39,40 = 20 (सूरसागर – पं. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी)
UNIT-2 18 Hours	पद संख्या–42,44,45,48,49,51,56,57,59,61,63,65,68,70,72,74,76,77,79,81 = 20
UNIT-3 18 Hours	पद संख्या – 84,86,87,88,90,92,94,96,97,98,99,100,102,104,105,106,108, 109,110,112 =20
UNIT-4 18 Hours	पद संख्या – 114,116,117,118,120,121,122,124,126,129,130,132,133,134,135,136,137 ,139,140,143 = 20
UNIT-5 18 Hours	पद संख्या – 150,154,155,158,161,162,164,168,170,172,173,176,177,179,180, 183,184,185,189,190 = 20
अनुशंसित ग्रंथ	1. सूरदास – डॉ. नंददुलारे वाजपेयी 2. सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 3. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 4. सूर की भाषा – डॉ. प्रेमनारायण टंडन 5. कृष्ण काव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ. प्रेमशंकर 6. सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 7. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य – सत्येन्द्र पारीक 8. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण – डॉ. सत्येन्द्र

	9. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा 10. सूरदास और उनका साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा 11. सूर की मौलिकता – डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री 12. मध्यकालीन बोध और साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 13. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन – डॉ. शिवकुमार मिश्र 15. भक्तिकाव्य की भूमिका – डॉ. प्रेमशंकर 16. भक्तिकाल के भारतीय रहस्यवाद – डॉ. राधेश्याम दुबे 17. महाकवि सूरदास और उनकी सूर सारावली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HNDA04	**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **महाकवि तुलसीदास**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**
OBJECTIVE: 1. **छात्रों को तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।** 2. **हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।** 3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।** 4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**	
UNIT-1 18 Hours	रामचरित मानस (बालकाण्ड) दोहा – 1 से 10 (श्री रामचरितमानस – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-2 18 Hours	रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) दोहा – 11 से 20

UNIT-3 18 Hours	कवितावली (प्रारंभिक छंद 1 से 10) (कवितावली – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-4 18 Hours	गीतावली पद – 1 से 10 (गीतावली – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-5 18 Hours	विनयपत्रिका पद – 11 से 20
अनुशंसित ग्रंथ	1. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 2. तुलसी का काव्य सौंदर्य – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 3. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 4. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 5. तुलसी काव्य दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह 6. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भगीरथ मिश्र 7. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प – डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित 8. विनयपत्रिका : एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न – राजकुमार उपाध्याय मणि 10. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 11. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुन्तलमेघ 12. तुलसी आधुनिक संदर्भों में : डॉ भगीरथ मिश्र

COURSE CODE: HNDA05		**COURSE TYPE: ECC/CB**	
COURSE TITLE **जयशंकर प्रसाद**			
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**
OBJECTIVE:			

	1. छात्रों को जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना। 2. हिंदी की छायावादी काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना। 4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
UNIT-1 18 Hours	आँसू (सम्पूर्ण काव्य)
UNIT-2 18 Hours	कामायनी – (श्रद्धा–इड़ा)
UNIT-3 18 Hours	जनमेजय का नागयज्ञ (नाटक)
UNIT-4 18 Hours	कमलि (उपन्यास)
UNIT-5 18 Hours	आकाशदीप, गुण्डा, मधुआ, छोटा जादूगर
अनुशंसित ग्रंथ	1. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 2. नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 3. प्रसाद और उनका साहित्य – विनोदशंकर व्यास 4. प्रसाद का काव्य – डॉ.प्रेमशंकर भारती 5. प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ.रामरतन भटनागर 6. प्रसाद का गद्य साहित्य – डॉ.राजमणि शर्मा 7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा 8. जयशंकर प्रसाद – वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल 9. प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ रामेश्वर भटनागर 10. हिंदी उपन्यास – आचार्य रामचंद्र तिवारी

11. आधुनिक हिंदी साहित्य – विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी
12. आंसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
13. कामायनी का रचना संसार : डॉ. प्रेमशंकर

COURSE CODE: HNDA06		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**		**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को रामचंद्र शुक्ल के साहित्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

UNIT-1 18Hours	चिंतामणि भाग – 1 01 से 06 निबंध
UNIT-2 18 Hours	चिंतामणि भाग – 1 07 से 12 निबंध
UNIT-3 18 Hours	चिंतामणि भाग – 1 13 से 17 निबंध
UNIT-4 18 Hours	रस मीमांसा : पूर्व भाग
UNIT-5 18 Hours	रस मीमांसा : उत्तर भाग

अनुशंसित ग्रंथ	1. आलोचक रामचंद्र शुक्ल – गुलाबराय 2. रामचंद्र शुक्ल – मलयज 3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा 4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ.हरिमोहन 5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी 6. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी 7. हिंदी आलोचक – शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी 8. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह 9. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 10. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल